सांसदों ने स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

...

नई दिल्ली, 28 मई, 2024: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश, संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों, राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

28 मई, 1883 को नासिक के पास एक गाँव में जन्मे स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर का अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव बहुत कम उम्र से ही दिखाई देने लगा था। विदेशी शासन के अधीन भारतीयों की दुर्दशा से भली-भांति परिचित श्री सावरकर ने देशवासियों की आजादी के लिए अपने देश और विदेशों में अथक प्रयास किए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ ही, सावरकर एक महान लेखक भी थे और उन्होंने 'द फर्स्ट इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस' सहित कई प्रसिद्ध पुस्तकें लिखीं, जो हमारे स्वतंत्रता संग्राम के कई क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत थीं।

संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में लगाए गए स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर के चित्र को श्रीमती चंद्रकला कुमार कदम ने तैयार किया था और 26 फरवरी, 2003 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा आधिकारिक तौर पर इसका अनावरण किया गया।